

INHALT

| | |
|---|-----|
| Vorwort | 5 |
| Biographische Notiz | 22 |
| Zum Text der Ausgabe | 25 |
| Der Sturm | 29 |
| <i>Übersetzt von A. W. von Schlegel</i> | |
| Die beiden Veroneser | 95 |
| <i>Übersetzt von Dorothea Tieck</i> | |
| Die lustigen Weiber von Windsor | 159 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Maß für Maß | 239 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Die Komödie der Irrungen | 321 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Viel Lärmen um nichts | 377 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Liebes Leid und Lust | 455 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Ein Sommernachtstraum | 533 |
| <i>Übersetzt von A. W. von Schlegel</i> | |
| Der Kaufmann von Venedig | 595 |
| <i>Übersetzt von A. W. von Schlegel</i> | |
| Wie es euch gefällt | 671 |
| <i>Übersetzt von A. W. von Schlegel</i> | |
| Der Widerspenstigen Zähmung | 751 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |
| Ende gut, alles gut | 827 |
| <i>Übersetzt von Wolf Graf Baudissin</i> | |

| | |
|---|------|
| Was ihr wollt | 913 |
| <i>Übersetzt von A. W. von Schlegel</i> | |
| Das Wintermärchen | 987 |
| <i>Übersetzt von Dorothea Tieck</i> | |
| Kommentare | 1079 |